सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 296 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 7 दिसम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

हैप्पीनेस कोई रेडीमेड चीज नहीं है। ये आपके अपने कर्मों से आती है।

-ब्रह्माकुमारी शिवानी

रवि बिश्नोई ने लगाई लंबी छलांग... 7 | चुनाव के बाद रालोद के तेवर भी... 3 | संविधान को खत्म करना चाहती है... 2

रेवंत रेड्डी की ताजपोशी

तेलंगाना में कांग्रेस के बने पहले मुख्यमंत्री

» 11 विधायकों ने मंत्री के रूप में ली शपथ

» खरगे, सोनिया, प्रियंका व राहुल रहे मौजूद

4पीएम न्यूज नेटवर्क

हैदराबाद। पांच राज्यों के चुनाव में कांग्रेस को जिस तेलंगाना में जीत हासिल हुई थी, आज उसी तेलंगाना में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस शपथ ग्रहण समारोह में तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी की ताजपोशी हुई। रेवंत रेड्डी ने आज तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित भव्य कार्यक्रम में तेलंगाना की राज्यपाल टी सौंदरराजन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बता दें कि रेवंत रेड्डी तेलंगाना में कांग्रेस के पहले मुख्यमंत्री हैं। रेवंत रेड्डी के साथ 11 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। जिसमें भट्टी विक्रमार्क ने डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ली है।

रेवंत रेड्डी प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। वे तेलंगाना के दूसरे सीएम होंगे। 2013 में तेलंगाना के गठन के बाद से कांग्रेस यहां पहली बार सत्ता में आई है। यहां से अब तक के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ही दो बार सीएम बने थे।

पीएम मोदी ने दी बधाई

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर रेवंत रेड्डी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ट्वीट कर बधाई दी। पीएम मोदी ने लिखा कि रेवंत रेड्डी गारू को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई। मैं राज्य की प्रगति और उसके नागरिकों के कल्याण के लिए हर संभव समर्थन का आश्वासन देता हूं।

सोनिया गांधी को साथ लेकर पहुंचे रेड्डी

56 साल के रेवंत रेड्डी ने एलडी स्टेडियम में सीएम पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में करीब एक लाख लोग शामिल हुए। शपथ लेने से पहले रेवंत रेड्डी खुली जीप में सोनिया गांधी को लेकर स्टेडियम में पहुंचे।

कई कांग्रेसी रहे मौजूद

इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व सोनिया गांधी समेत, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार, केसी वेणुगोपाल, हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खु समेत तमाम कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना में भी कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार

कर्नाटक के बाद तेलंगाना दक्षिण का दूसरा राज्य है, जहां कांग्रेस की खुद की सरकार बनी है। तमिलनाडु में वह डीएमके के साथ गठबंधन सरकार में है। तेलंगाना में जीत का श्रेय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी को मिला। शुरुआत से ही उन्हें सीएम रेस में आगे माना जा रहा था। मंगलवार को पार्टी ने आधिकारिक तौर पर उनके नाम पर मुहर लगा दी।

पीओके पर सरकार और विपक्ष आए आमने-सामने

» गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर गरमाई सियासत

» अधीर रंजन बोले- हिम्मत है तो 2024 से पहले पीओके छीनकर दिखाओ

» फारूख अब्दुल्ला ने की जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने की मांग

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का आज चौथा दिन है। हर दिन किसी न किसी मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हंगामा देखने को मिला, तो वहीं दोनों पक्षों के नेताओं के बीच तीखी नोक-झोंक भी जारी रही। इस दौरान कल यानी कि सत्र के तीसरे दिन गृहमंत्री अमित शाह के पीओके को लेकर दिए गए बयान और जम्मू-कश्मीर के हालातों के लिए पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को दोषी ठहराने व उनकी गलतियां बताने जैसे बयानों को लेकर अमित शाह और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी के बीच तीखी झड़प भी देखने को मिली। तो वहीं इसके बाद विपक्षी दलों ने भी इसको लेकर भाजपा व अमित शाह को घेरा।

अब संसद के आज चौथे दिन भी इसी मसले को लेकर नेताओं द्वारा हंगामा और सत्ता से सवाल करना संसद के अंदर और बाहर दोनों ही जगह जारी है। एक ओर जहां फारुख अब्दुल्ला अमित शाह से जम्मू-कश्मीर में चुनाव की तारीख बताने की मांग कर रहे हैं, तो वहीं कांग्रेस नेहरू को गलत बताने पर भाजपा व शाह पर हमलावर है।

बीजेपी ने इतिहास कोसकर ही बनाई बहुमत की सरकार : प्रियंका चतुर्वेदी

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने जम्मू कश्मीर के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि इतिहास को कोसकर ही इन्होंने बहुमत वाली सरकार बनाई है। वो (बीजेपी) अब तक जवाब नहीं दे रही है कि जम्मू कश्मीर में चुनाव क्यों नहीं हुए। उन्होंने अब तक कश्मीरी पंडितों को सुरक्षित माहौल नहीं दिया है। दूसरे के गिरेबान में झांकने से पहले वो खुद के गिरेबान में झांके कि उनका क्या योगदान रहा है।

चुनाव की तारीख बताएं : फारुख

गृह मंत्री अमित शाह के पीओके वाले बयान पर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारुख अब्दुल्ला ने कहा कि सवाल है कि पहले चुनाव हो। उन्होंने कहा था कि वे तारीखें बताएंगे, लेकिन अभिभाषण खत्म होने के बाद उन्होंने कोई तारीख नहीं बताई, हमारी मांग है चुनाव होने चाहिए।

जो कांग्रेस नहीं कर पाई, आप करके दिखाओ : अधीर

पीओके पर गृहमंत्री के अभिभाषण पर कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि 2019 में जब 370 हटा गया तब अमित शाह ने पीओके को लेकर कहा कि उसे वापस लाया जाएगा। पीओके को वापस लाने के लिए भाजपा पार्टी और इन्हें किसने रोका है? अधीर ने कहा कि अगर हिम्मत है तो आप पीओके छीनकर लाकर दिखाइए, जो काम कांग्रेस नहीं कर पाई आप करके दिखाइए। चौधरी ने मोदी और अमित शाह को हिंदुस्तान का बहादुर बताकर तंज कसा और चुनौती दी है। उन्होंने कहा, पीओके से एक सेब लाकर दिखाओ। अगर हिम्मत है तो 2024 के चुनाव से पहले पीओके को छीन लो। सारे देश के वोट बीजेपी को मिलेंगे।

संविधान को खत्म करना चाहती है भाजपा : अखिलेश

» बोले- जाति जनगणना की मांग सपा सड़क से सदन तक उठाती रहेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा संविधान को नहीं मानती है। वह इसे बदलना चाहती है। इसलिए बाबा साहेब के दिए संविधान में की गई आरक्षण की व्यवस्था को खत्म करने पर उतारू है। सरकारी संस्थानों का निजीकरण किया जा रहा है। आउटसोर्सिंग के जरिये सार्वजनिक संस्थानों में भर्ती की जा रही है।

इससे पिछड़ों और दलितों को आरक्षण से वंचित किया जा रहा है। सरकारी संपत्तियों को निजी हाथों में बेचा जा रहा है। सपा प्रमुख ने ये बातें डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर सपा के प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं व नेताओं को संबोधित करते हुए कहीं। सपा मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में अखिलेश ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक रूप से उपेक्षित वर्ग के हितों को संरक्षित रखने परे विशेष बल दिया था। नागरिकों के अधिकार और उनके सम्मान की रक्षा समाज में फैली नफरत और भेदभाव को मिटाकर ही हो सकती है।

सपा पिछड़ों व दलितों की लड़ाई लड़ती रहेगी

अखिलेश ने कहा कि बाबा साहेब को भारतीय संविधान के निर्माता एवं महान समाज सुधारक के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। डॉ. आंबेडकर ने सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाकर सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी और शोषित वंचित वर्ग को आरक्षण व सम्मान से जीने का अधिकार दिलाया। एक व्यक्ति-एक मत का विधान बनाकर उन्होंने गरीब-अमीर सबको एक समान वोट का अधिकार दिया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पिछड़ों व दलितों के हक और सम्मान की लड़ाई समाजवादी पार्टी लड़ती रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना की मांग सड़क से सदन तक उठा रही है, ताकि समाज में हर जाति को समानुपातिक भागीदारी तय हो सके। आजाद भारत की नींव मजबूत करने में डॉ. भीमराव आंबेडकर, डॉ. राममनोहर लोहिया और नेताजी मुलायम सिंह यादव के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, मिठाई लाल भारती, नरेंद्र वर्मा, आरके चौधरी, अरविंद कुमार सिंह, उदयवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

कानून-व्यवस्था के हालात चिंताजनक

अखिलेश ने कहा कि देश और प्रदेश में कानून-व्यवस्था के हालात चिंताजनक हैं। एनसीआरबी के आधे-अधूरे आंकड़े हैं जबकि प्रदेश में महिला अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है। भाजपा सरकार में अपराधी बेलगाम है और सरकारी संरक्षण में निर्दोष नागरिकों को पुलिस अपने जुल्मों का शिकार बना रही है। पुलिस हिरासत में लोगों की जान जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

सहयोगी दलों को सीटें देने के लिए भाजपा जल्द करेगी बैठक

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल करने के बाद भाजपा ने यूपी में सहयोगी दलों को दी जाने वाली सीटों पर मंथन शुरू कर दिया है । माना जा रहा है कि जल्द ही दिल्ली में बैठक करके अपना दल (एस), सुभासपा और निषाद पार्टी के लिए सीटें तय कर दी जाएंगी, जिससे वह समय से अपनी तैयारियां शुरू कर सकें। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली में होने वाली बैठक में सहयोगी दलों के कोटे की सीटों का नाम तय तो किया जाएगा, लेकिन उसकी अधिकारिक घोषणा बाद में की जाएगी। सहयोगी दल भी सीटों का नाम गोपनीय रखेंगे। इस बार के चुनाव में सियासी समीकरण और विपक्षी गठबंधन की रणनीति को देखते हुए भाजपा का पिछड़े व दलित वोट बैंक को साधने पर खास फोकस है।

हिटलर के सिद्धांत को मानती है द्रमुक : अन्नामलाई

चेन्नई। द्रमुक सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार के गौमूत्र वाले बयान को लेकर भाजपा जबरदस्त तरीके से हमलावर है। इन सब के बीच तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने द्रमुक नेता पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे शब्द गलती से कहे गए हैं तो माफी स्वीकार की जा सकती है लेकिन अगर ये शब्द गहरी असुरक्षा की भावना के कारण कहे गए हैं...तो कोई भी माफी स्वीकार नहीं करने वाला है। अन्नामलाई ने आगे कहा कि द्रमुक सांसद द्वारा कहे गए शब्द भारत को गलत तरीके से देखने की गहरी भावना से आए हैं, यह उनकी दोषपूर्ण विचारधारा की गहरी भावना से आए हैं। उन्होंने कहा कि वह बार-बार अपराधी हैं। द्रमुक का सिद्धांत हिटलर के सिद्धांत के समान है। इस सिद्धांत को जड़ से खत्म करना होगा।

मुझे ईवीएम पर पूरा भरोसा : कार्ती

चेन्नई। ईवीएम के मुद्दे पर कांग्रेस में दो फाड़ हो गई है। कांग्रेस का एक धड़ा जहां ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगा रहा है, वहीं दूसरा भाग इसे सिरे से नकार रहा है। पांच राज्यों में चुनावी नतीजे के बाद सबसे पुरानी पार्टी के कुछ नेताओं ने ईवीएम पर सवाल खड़े कर दिए थे। हालांकि, अब विपक्षी पार्टी के कुछ नेताओं ने अपने ही लोगों के बयान से असहमति जताई है। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम का कहना है कि उन्हें ईवीएम पर पूरा भरोसा है। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पता है कि पार्टी के कई लोग उनसे अलग राय रखते हैं। गौरतलब है, पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ईवीएम को लेकर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने 199 विधानसभा सीटों पर पोस्टल बैलेट में मिले कांग्रेस को वोट और ईवीएम में मिले कांग्रेस के वोटों का आकलन करने की बात कही थी। सिंह का कहना था कि वोटिंग पेटर्न में इतना बदलाव कैसे हो सकता है, जिन सीटों पर पोस्टल बैलेट में कांग्रेस जीत रही है वहां ईवीएम में हार रही है।

भ्रष्टाचार कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे : केजरीवाल

» दिल्ली जल बोर्ड का होगा ऑडिट, शीला सरकार तक की होगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केजरीवाल ने अपने बयान में कहा कि विपक्ष कुछ आरोप लगा रहा है। तो, इससे (ऑडिट) सब कुछ बिल्कुल स्पष्ट हो जाएगा। हमने दिल्ली जल बोर्ड के पिछले 15 वर्षों के सीएजी ऑडिट का आदेश दिया है अगर किसी ने कुछ गलत किया है, तो उन्हें दंडित किया जाएगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

धन के दुरुपयोग के आरोपों के बीच केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा दिल्ली जल बोर्ड का ऑडिट कराने का

निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों के रिकॉर्ड का ऑडिट किया जाएगा। दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं को लेकर भाजपा और आप में पिछले महीने से तीखी नोकझोंक जारी है। पिछले 15 वर्षों की अगर जांच होती है तो उसमें शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार भी आएगी। केजरीवाल ने अपने बयान में कहा कि विपक्ष कुछ आरोप लगा रहा है।

रोहिंग्या बने अब राष्ट्रीय समस्याः सरमा

» असम सीएम का दावा- 2026 तक असम में बाल विवाह पूर्ण रूप से हो जाएगा खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले और कई मौकों पर बीजेपी के लिए ही मुश्किलें खड़ी करने वाले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि रोहिंग्यां केवल असम की समस्या नहीं, बल्कि ये राष्ट्रीय समस्या बन रहे हैं। ये लोग असम के रास्ते होते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम 2026 तक असम में बाल विवाह पर पूर्ण रूप से खत्म कर देंगे। मुख्यमंत्री ने डीएमके सांसद के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अगर गौमाता राज्य कहा होता तो अधिक उपयुक्त होता।

जाहिर है रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर

असम में पिछले काफी वक्त से एक विवाद चल रहा है और असम सरकार इसको लेकर लगातार कुछ न कुछ कदम उठा रही है। अब सीएम बिस्वा सरमा ने रोहिंग्याओं को सिर्फ असम ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय समस्या बता डाला है।सरमा यहां एक पत्ररकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोहिंग्या अब राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। इसलिए जब असम में मामला सामने आया और त्रिपुरा से कुछ दलाल गिरफ्तार हुए तो असम सरकार ने गृह मंत्रालय को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि असम सरकार ने ही इसकी एनआईए जांच की सिफारिश की थी। इसके बाद देश के विभिन्न राज्यों में छापेमारी हुई। असम और त्रिपुरा इसके ट्रांजिट रास्ते बन गए हैं।

लोकसभा चुनाव में 350 से 400 सीटें जीतेगी भाजपा

हिमंत ने कहा कि असम में 2026 तक बाल विवाह को पूर्ण रूप से खत्म कर देंगे। 2026 के बाद असम में बाल-विवाह के मामले ढूंढने से भी नहीं मिलेंगे। आगामी विधानसभा सत्र में हम बहु विवाह पर भी कानूनी रोक लगा देंगे। डीएमके सांसद के बयान पर उन्होंने भारत को गौ माता का देश बताते हुए कहा कि सांसद को गौमाता का इस्तेमाल करना चाहिए था। उन्होने कहा कि अभी हम इस पर ज्यादा चर्चा नहीं करेंगे, क्योंकि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तौर पर 2024 के आम चुनाव के लिए अगले तीन महीने तक काम करना है। मोदी जी को लोकसभा चुनाव में 350 से 400 सीटों के साथ जीत हासिल करनी है।

बीजेपी को रोकने के लिए मिलकर लड़ना होगा

» ममता ने कहा- गेरुआ खेमा बंटवारे की राजनीति करने की कोशिश कर रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की दिग्गज नेता व पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बीजेपी व मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने लोगों से अपील की कि हमें एकजुट होना होगा। सम्मेलन में उपस्थित अल्पसंख्यकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गेरुआ खेमा बंटवारे की राजनीति करने की कोशिश कर रहा है। वे धर्म के नाम पर लोगों के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन इस मानसिकता को जीतने नहीं देना चाहिए। इसलिए हमें एकजुट होकर इनके खिलाफ लड़ना होगा। वे विभिन्न तरीकों से इस एकता को तोड़ने की कोशिश करेंगे। उत्पात फैलेगा। वह झूठे आरोप लगाकर तरह-तरह के हमले करेगा। लेकिन उनकी बात मत सुनो। हमें भाजपा को रोकने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर लड़ना होगा। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजेपी को फिर से तृणमूल के मंच से चुनौती दी है। ममता बुधवार को उत्तर बंगाल के लिए उड़ान भर रही हैं। उनके सात दिवसीय दौरे में पारिवारिक शादियाँ भी शामिल हैं। इसलिए वे इस दिन शहीद मीनार स्थित तृणमूल के समरसता मंच पर सशरीर उपस्थित नहीं हो सकीं। मंत्री अरूप विश्वास ने उन्हें बुलाया और वर्चुअली मंच पर उपस्थित हुईं। फोन के जरिए तृणमूल सुप्रीमो ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 2024 में खेला होगा। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बागडोगरा से सड़क मार्ग से कार्सियांग जाएंगी। वह वहां एक निजी कार्यक्रम में शामिल होंगी। इसके बाद वह 8 दिसंबर को वहां एक सरकारी सेवा समारोह में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री नौ दिसंबर को कार्सियांग से अलीपुरद्वार के लिए रवाना होंगी। ममता कार्शियांग से सड़क मार्ग से बागडोगरा लौटेंगी। बागडोगरा से विशेष विमान से हासीमारा एयरफोर्स स्टेशन जायेंगे। वहां से वह सड़क मार्ग से अलीपुरद्वार पहुंचेंगे। अगले दिन यानी 10 दिसंबर को मुख्यमंत्री अलीपुरद्वार स्टेडियम में सरकारी सेवा वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगी।

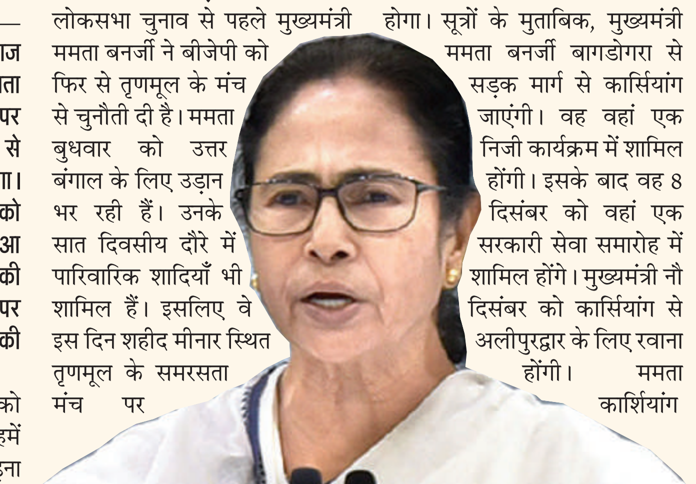

तृणमूल एक बार फिर बनेगा इंडिया गठबंधन की प्रेरक शक्ति

तृणमूल कांग्रेस ने केंद्र को वंचित करने से लेकर केंद्रीय एजेंसियों को अपने उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने जैसे विभिन्न मुद्दों पर भाजपा पर हमला बोला है। ममता बनर्जी ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता गंवाने वाली कांग्रेस को भी ममता ने परोक्ष संदेश दिया। उन्होंने कहा, अगर हम एकजुट होकर लड़ेंगे तो बंगाल भारत पर राज करेगा। दूसरे शब्दों में, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि तृणमूल एक बार फिर इंडिया गठबंधन की प्रेरक शक्ति है। राजनीतिक हलकों के एक वर्ग का मानना है कि भारत गठबंधन की अगली बैठक से पहले यह काफी महत्वपूर्ण है।

बिहार में बनेगा नया सियासी आकार !

बड़े और छोटे दलों के तालमेल पर निर्भर होगा बहुत कुछ

» महागठबंधन व राजग की धुरी में चुनाव

» इंडिया गठबंधन जल्द बुलाए बैठक : जदयू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पांच राज्यों में चुनाव परिणामों के बाद राजनीति फिर आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के इर्दगिर्द घुमने लगी है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक रिजल्ट पर बतकही शुरू हो गई है। जहां बीजेपी जीत से गदगद है वहीं इंडिया गठबंधन का कोई सदस्य ईवीएम को कोस रहा है तो कोई कांग्रेस को बुरा भला कहने में लग गया है। बीजेपी जीत से सातवें आसमान पर है तो अन्य दल परेशान हैं। कांग्रेस के कमजोर पड़त ही अन्य सहयोगी दल उस पर आक्रमाक हैं। शिवसेवा, टीएमएसी अपने शीर्ष नेताओं को पीएम चेहरे के रूप में जनता के सामने रखने की दबी जुबान से बात करने लगे हैं। तो कुछ दल कांग्रेस को नसीहत देने लगे हैं कि अपनी रणनीति में कांग्रेस बदलाव करे और एकजुटता दिखाए नहीं तो 24 के रण में मोदी व बीजेपी को रोकना आसान नहीं होगा।

अलग-अलग राज्यों में नए-नए समीकरण बनने की स्थिती बन रही है। जैसे बिहार, यूपी जैसे बड़े राज्यों विपक्ष के दलों में कांग्रेस को लेकर सीट बटवारे पर माथापच्ची करना आसान नहीं रहेगा। जैसे बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए बिसात बिछने अभी थोड़ा वक्त है। परंतु सीटों को साझा करने के मामले में देखा जाए तो छोटे दलों के लिए बड़े दलों की झोली में बहुत कुछ नहीं है। बिहार के चाचा-भतीजा की जोड़ी दोनों ओर है। वहीं चुनाव नजदीक आने के साथ जोड़-तोड़ की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। यूपी में अखिलेश सीटों को लेकर पहले ही कह चुके वह अपने पास अधिक संख्या रखेंगे। बिहार लगभग तय हो गया है कि बिहार में लोकसभा का चुनाव दो धुरी में बंटकर होगा। राजग और महागठबंधन के बीच सीधी लड़ाई होगी। राजग में भाजपा और महागठबंधन में जदयू एवं राजद की भूमिका दाता की है। राजग के साथ पांच और महागठबंधन के साथ कुल छह दल जुड़े हुए हैं। दोनों को मिलाकर 11 दलों के बीच लोकसभा की 40 सीटों का बंटवारा होना है। लेकिन, बड़ा हिस्सा भाजपा, जदयू और राजग के बीच बंटेगा।

महागठबंधन के घटक दलों की सीट शेयरिंग महत्वपूर्ण

महागठबंधन के घटक के तौर पर रालोजद (उस समय रालोसपा) को पांच और हम को तीन सीटें मिली थीं। फिलहाल इन दोनों दलों को मिलाकर भाजपा की झोली में महज तीन-चार सीटें हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा 17 सीटों पर लड़ी थी।पिछले चुनाव की तुलना में भाजपा के पास 23 अतिरिक्त सीटें हैं। लेकिन, वह बांटने के बदले अधिक से अधिक सीटों पर स्वयं लड़ना चाहती है। भाजपा को उम्मीद है कि जदयू के कुछ सांसद भी उसके पास आवेदन लेकर आएंगे। ये ऐसे सांसद हो सकते हैं, जिन्हें जदयू से टिकट मिलने की उम्मीद नहीं है। ऐसा भी हो सकता है कि ये ऐसे सांसद हों, जिन्हें बदले राजनीतिक समीकरण में जदयू टिकट पर जीत की उम्मीद नहीं है। भाजपा की तुलना में महागठबंधन में सीटों की बेहद कमी है। जदयू की 16 जीती हुई सीटें हैं। इससे कम पर वह राजी नहीं होगा। राजद भी कम से कम इतनी ही सीटों पर लड़ेगा। बची आठ सीटों के चार दावेदार हैं- कांग्रेस, भाकपा, माकपा और भाकपा माले। 2019 के लोस चुनाव में महागठबंधन के घटक के रूप में कांग्रेस के नौ और भाकपा माले के एक उम्मीदवार मैदान में थे। इस तरह 10 का हिसाब तो इन्हीं दोनों का बन जाता है। भाकपा और माकपा को भी कम से कम एक-एक सीट चाहिए।

आजादी की लड़ाई की तरह बीजेपी से लड़ना होगा : नीतीश

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को दिल्ली में विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल नहीं होने की खबरों को खारिज कर दिया और इन खबरों को पूरी तरह से बकवास बताया। बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा शुरू की गई बैठक स्थगित कर दी गई। बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बैठक के लिए अपनी सहमति नहीं दे पाए क्योंकि उन्हें बुखार था। उन्होंने बैठक को जल्द बुलाने की सलाह भी दी है। राजद प्रमुख लालू यादव के मुताबिक, इंडिया ब्लॉक की बैठक अब 17 दिसंबर को होगी। उन्होंने कहा ऐसी अफवाहें थीं कि मैं इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल नहीं होऊंगा। यह बकवास है। उस वक्त मुझे बुखार था। अगली बैठक जब भी होगी मैं जरूर जाऊंगा। उन्होंने कहा, मुझे अपने लिए व्यक्तिगत कुछ नहीं चाहिए। जैसे आजादी की लड़ाई लड़ी गई, वैसे ही इनसे (भाजपा) लड़ाई लड़नी है। इससे पहले ऐसी खबरें थीं कि नीतीश कुमार की जगह वरिष्ठ नेता जदयू प्रमुख ललन सिंह और बिहार के जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा बैठक में शामिल होंगे। मल्लिकार्जुन खड़गे ने 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाने के लिए विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक बुलाई। हालाँकि, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई नेताओं के व्यक्तिगत कारणों या आधिकारिक प्रतिबद्धताओं के कारण बैठक में शामिल न होने के बाद बैठक स्थगित कर दी गई। यह बैठक इसलिए बुलाई गई क्योंकि भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में शानदार जीत हासिल की। भगवा पार्टी ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ कांग्रेस को उखाड़ फेंका। हालाँकि, सबसे पुरानी पार्टी ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव जीतकर सांत्वना जीत हासिल की और बीआरएस को सत्ता से बेदखल कर दिया। इंडिया कांग्रेस के नेतृत्व वाले बड़े-बड़े राजनीतिक दलों का गठबंधन है। इसका गठन 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से मुकाबला करने के लिए किया गया था। जुलाई में बेंगलुरु में विपक्षी पार्टी की बैठक के दौरान गठबंधन का गठन किया गया था।

भाजपा को साधना होगा समीकरण

दूसरों को देने के मामले में भाजपा की झोली भरी हुई है। मगर, उसके हिस्सेदारों का मुंह भी उतना ही बड़ा है। लोजपा के दोनों गुटों की मांग जोड़ दें तो सात का हिसाब बैठता है। उम्मीद है कि चुनाव की घोषणा तक चाचा पशुपति कुमार पारस और भतीजा चिराग पासवान को भाजपा एक मंच पर बैठा देगी। यह हुआ, तब भी उसकी सीटों की संख्या नहीं बढ़ेगी। हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा और राष्ट्रीय लोक जनता दल की मांग मान ली जाए तो उन्हें आठ सीटें चाहिए। क्योंकि, यह मांग पिछले चुनाव में लड़ी गई सीटों के आधार पर होती है।

चुनाव के बाद रालोद के तेवर भी चढ़े

» जयंत पर लगी सबकी निगाहें

» यूपी में गठबंधन पर पड़ सकता है प्रभाव

» जल्द बुलाई उच्च स्तरीय बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजस्थान चुनाव के बाद यूपी में भी इंडिया गठबंधन के भविष्य की रणनीति पर विचार शुरू हो गया। गठबंधन के प्रमुख घटक सपा व रालोद के सुर कांग्रेस के खिलाफ काफी बदले हुए हैं। सबसे ज्यादा नजर जयंत चौधरी के अगले रुख पर लगी है। राजस्थान विस चुनाव में एक सीट उन्हें मिली है। अब राष्ट्रीय लोक दल के विपक्षी गठबंधन इंडिया में रहने या न रहने पर सवाल खड़े हो गए हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आने के बाद विपक्षी गठबंधन के तमाम सहयोगियों के बीच माहौल गरमाने लगा है। राजस्थान विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस की सहयोगी बनी रालोद का लेकर सवाल उठने लगे हैं।

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनावों के परिणाम ने विपक्षी गठबंधन इंडिया के सहयोगियों के बीच की खाई बढ़ा दी है। विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में टकराव शुरू हो गया था। मध्य प्रदेश में सपा- कांग्रेस का गठबंधन न होने से अखिलेश यादव नाराज हो गए। वहीं, राजस्थान में कांग्रेस की करारी हार के बाद राष्ट्रीय लोक दल की त्योरियां चढ़ गई हैं। राजस्थान में गठबंधन के तहत कांग्रेस ने रालोद को एक सीट दी थी। अब परिणाम आने के बाद पार्टी ने विपक्षी गुट इंडिया का हिस्सा बनने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का फैसला किया है। लोकसभा चुनाव के पहले रालोद का यह फैसला कांग्रेस के लिए परेशानी खड़ी करने वाला साबित हो सकता है। दरअसल, राजस्थान में एक सीट पर जीत के बाद जयंत चौधरी अपनी बात को सशक्त तरीके से रखने और जाट के मान्य नेता के रूप में अपनी बात मनवाने का प्रयास करते दिख रहे हैं। आरएलडी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी ने कहा कि भविष्य की रणनीति तय करने के लिए जल्द ही पार्टी की एक उच्च स्तरीय बैठक जल्द बुलाई जा सकती है। इसमें इस बात पर चर्चा हो सकती है कि क्या भारत गठबंधन में रहना है या एक अलग रास्ता चुनना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने में पूरी तरह से विफल रही है। वास्तव में, देश की सबसे पुरानी पार्टी के साथ विपक्षी गुट को जो बढ़त हासिल करने की उम्मीद कर रहा था, उसमें सफलता मिलती नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा कि अगला कदम उठाए जाने से पहले सभी कारकों को ध्यान में रखा जाएगा। कांग्रेस की सहयोगी रालोद को राजस्थान चुनाव में सिर्फ एक सीट (भरतपुर) दी गई। भरतपुर से रालोद कैंडिडेटऔर अशोक गहलोत सरकार में पूर्व मंत्री सुभाष गर्ग जीते। पार्टी ने राजस्थान के जाट बहुल क्षेत्रों में कम से कम छह सीटें मांगी थीं, लेकिन कांग्रेस ने इससे इनकार कर दिया। आरएलडी के एक शीर्ष नेता ने पुष्टि की कि यूपी में समाजवादी पार्टी के साथ पार्टी का गठबंधन बरकरार है। सूत्रों ने कहा कि आरएलडी को लगता है कि राजस्थान के रिजल्ट से उसकी स्थिति में सुधार हुआ है। खासकर, पश्चिमी यूपी में जहां वह लगातार अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पार्टी को मुख्य जाट वोट बैंक के साथ-साथ मुसलमानों के बीच पक? बनाने में मदद मिलती दिख रही है। इस इलाके में इस वर्ग की अच्छी- खासी मौजूदगी है। आरएलडी सूत्रों ने कहा कि पार्टी युवा जाट मतदाताओं को वापस लाने की कोशिश कर रही है। वे पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की ओर चले गए थे।

सपा- रालोद की अपनी रणनीति

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि सपा- रालोद गठबंधन मुस्लिम वोट बैंक के विभाजन को रोकने के प्रयासों को तेज कर सकता है। बसपा प्रमुख मायावती की कुशल राजनीतिक स्थिति के बीच गठबंधन यह प्रयास कर रहा है। दरअसल, मायावती की रणनीति इस क्षेत्र में कुछ अलग है। वे सपा की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए अल्पसंख्यक कार्ड को हरी झंडी दिखा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मुस्लिम वोट बैंक परंपरागत रूप से बीजेपी के खिलाफ रहा है। भाजपा विभिन्न संपर्क अभियानों के माध्यम से मुस्लिम विरोध को कुंद करने का प्रयास कर रही है। हालांकि, पार्टी इसमें कितनी सफल होगी, वह भविष्य के गर्त में छुपा हुआ है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग बढ़े

"

डली और समोसा देश के कोने-कोने में लोकप्रिय हैं। क्या आपको पता है कि ये विदेशियों की देन हैं? समोसा हमारे यहां मध्य एशिया से आया और इडली इंडोनेशिया से। ऐसे उदाहरण कई हैं, भारत में आलू और मिर्च आए दक्षिण अमेरिका से, चाय और लीची चीन से। सामान्य भारतीयों ने इन 'विदेशी' व्यंजनों को सहर्ष अपनाया।

अभी हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा था की न्यायालयों फैसले की भाषा हिंदी व क्षेत्रीयों लीपियों में होनी चाहिए ताकि कानूनी प्रक्रिया को आम आदमी आसानी से समझ सके । उस दिशा की भारत सरकार व अन्य कई सरकारे प्रयास में लगी हैं। कई राज्य सरकारें भी चाहती है कठिन कानूनी शब्दों की बजाए आमबोली वाली भाषा को प्रयोग हो। उसके लिए समय-समय पर संशोधन के द्वारा प्रक्रिया जारी की गई है। इडली और समोसा देश के कोने-कोने में लोकप्रिय हैं। क्या आपको पता है कि ये विदेशियों की देन हैं? समोसा हमारे यहां मध्य एशिया से आया और इडली इंडोनेशिया से। ऐसे उदाहरण कई हैं, भारत में आलू और मिर्च आए दक्षिण अमेरिका से, चाय और लीची चीन से। सामान्य भारतीयों ने इन 'विदेशी' व्यंजनों को सहर्ष अपनाया। क्या आप इनके बिना भारतीय भोजन की कल्पना कर सकते हैं? अब भोजन से परे, भाषा की बात करते हैं। भारत जैसे देश में जहां सैकड़ों भाषाएं बोली जाती हैं, भाषा बेहद भावनात्मक विषय है। पिछले सौ-दो सौ सालों में भारत में भाषा को लेकर कई आंदोलन हुए हैं।

अधिकांश आंदोलनों की यह मांग रही है कि कोई, विशेषकर केंद्र सरकार, हम पर भाषा ना थोपे। भाषाई साम्राज्यवाद का डर हर भाषा समूह को सताता है। अंग्रेजों ने हम पर शासन तो किया ही, हमारी संपत्ति भी लूट कर ले गए। यहां तक कि 'लूट' शब्द भी अपनी भाषा में समाहित कर लिया। इसके अलावा भी बहुत से शब्द अपनाए। चंपी से आया शैंपू, बंगला बन गया बंगलो और बरामदा से आया वेरांडाह। बिरयानी जरूर बिरयानी ही रही, जंगल भी जंगल ही रहा। लेकिन खाट बन गया काट और जगन्नाथ बना जग्गरनॉट। ऑक्सफर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में सैकड़ों भारतीय मूल के शब्द हैं और हर वर्ष दर्जनों इसमें शामिल होते हैं। अंग्रेजी भाषा तो कभी संकट में आई नहीं, वह तो और भी समृद्ध हो रही है। हर साल पूरी दुनिया में करोड़ों लोग अंग्रेजी सीखने के लिए मेहनत करते हैं। हिंदी ने भी अंग्रेजी के भरपूर शब्द अपनाए हैं। हम में से अधिकांश लोग पेन से लिखते हैं, कलम से नहीं। ट्रेन से चलते हैं। कप से चाय पीते हैं। सिर्फ अंग्रेजी से ही नहीं, भारत की अन्य भाषाओं से भी हिंदी में शब्द आए हैं। 'वांग्मय', 'प्रगति', 'दलित' शब्द मराठी से आए। बांग्ला से 'गल्प', 'संभ्रांत', 'आपत्ति' और 'अभिभावक'। द्रविड़ भाषाओं से भी कई शब्द आए। तमिल में सब्जी को कारी कहते हैं, और पुराने कन्न? में करी। इसी से हमारी तरकारी आई। इलाइची, शिकाकाई, काला, मोर शब्द भी दक्षिण से ही आए हैं हिंदी में। कुल मिलाकर भारतीय भाषाओं का प्रयोग जितना बढ़ेगा सभी भाषाएं विदेशों तक में समृद्ध होंगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अब जीत-हार के कारणों पर मंथन का दौर

डॉ. यश गोयल

एक बार फिर राजस्थान हर पांच साल में सरकार बदलने की परंपरा पर कायम रहा, और भाजपा राज्य में सत्ता में वापस आ गयी। इसके साथ ही गहलोत सरकार का लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटने का सपना पूरा नहीं हुआ। चुनाव में जीत के बाद भाजपा राजस्थान का मुख्यमंत्री किसे बनायेगी, यह प्रश्न तब से चल रहा है जबसे नरेंद्र मोदी ने जनता को कहा कि वे वोट कमल को दें और मोदी फेस को याद रखें। कांग्रेस सरकार की 10 प्रमुख योजनाओं और सात गारंटियों को खारिज करते हुए मतदाताओं ने 'मोदी चेहरे' को चुनने का जनादेश दिया है, इसलिए राज्य में कमल की जीत हुई। 'जाति सर्वेक्षण या जनगणना' पर कांग्रेस के चुनाव अभियान और मोदी-अडानी दोस्ती के भाषणों से गहलोत सरकार को कोई फायदा नहीं हुआ। भगवा दल को आज राज्य विधानसभा चुनावों में 199 में से 115 निर्वाचन क्षेत्रों में भारी बहुमत मिला।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस केवल 69 सीटों पर जीत पाई। भाजपा को 41.69 फीसदी वोट मिले, जबकि कांग्रेस को 39.53 फीसदी। आदिवासी समूह के नए राजनीतिक मोर्चे बीएपी ने तीन निर्वाचन क्षेत्रों धारियावाड़, आसपुर और चोरासी में जीत हासिल की। बसपा सादुलपुर और बाड़ी की दो सीटों पर जीती। रालोद ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर भरतपुर में अपनी सीट बरकरार रखी। आरएलटीपी, इसके संस्थापक और नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने खींवसर सीट जीती। हालांकि 15वीं विधानसभा में आरएलटीपी के तीन विधायक थे। भाजपा के बागी यूनुस खान सहित आठ निर्दलीय विधायकों ने भी नई विधानसभा में प्रवेश किया। मोदी मैजिक के कारण महत्वपूर्ण यह कि गहलोत कैबिनेट के 25 में से 17 मंत्री भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ भारी अंतर से चुनाव हार गए। गहलोत के दो प्रमुख सलाहकार संयम लोढ़ा और बाबूलाल नागर भी जीत नहीं सके। इसी तरह मतदाता ने भाजपा के सात में से मात्र चार लोकसभा सांसदों को विधानसभा के लिये चुना।

लाल डायरी निर्माता राजेंद्र सिंह गुढ़ा जिसने भाजपा को महत्वपूर्ण मुद्दा दिया और शिवसेना (शिंदे) के टिकट पर चुनाव लड़ा था, अपनी उदयपुरवाटी सीट हार गए। इसके विपरीत विस स्पीकर सीपी जोशी

(कांग्रेस), नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौर (भाजपा), उपसचेतक, और दो पूर्व विस अध्यक्ष, पूर्व भाजपाध्यक्ष सतीश पूनिया भी हार गये। गहलोत सरकार ने गत एक वर्ष में अपनी 10 फ्लैगशिप योजनाएं शुरू कीं। चुनाव आते-आते जनता को सात और गारंटियां दे दीं कि वे सत्ता में आते ही ओपीएस कानून , दो रुपये किलो गोबर समेत अन्य मुफ्त की रेवडियां देंगे। जवाब में मोदी ने अपनी 14 पब्लिक मीटिंग, दो रोड शो और 102 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करते हुए मतदाता को आश्वस्त किया कि 'मोदी है तो गारंटी है, गारंटी की गारंटी है'। भाजपा नेतृत्व ने गहलोत सरकार की कानून व्यवस्था, पेपर लीक, लाल डायरी, कन्हैयालाल मर्डर केस, दुराचार, सांप्रदायिक उन्माद, भ्रष्टाचार और सचिन-गहलोत कुर्सी विवाद पर कांग्रेस सरकार को घेरा। कांग्रेसी नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, और अन्य नेताओं ने चुनाव प्रचार को रोचक रखा मगर भाजपा के सनातन धर्म, मुस्लिम तुष्टीकरण आदि बयानों ने राजस्थान चुनाव की दिशा बदलकर गहलोत सरकार की उपलब्धियों को नकार दिया। भले ही गहलोत शुरू से ये कहते रहे कि उनकी सरकार के खिलाफ एंटी-इंकबेंसी नहीं है। अगर ये सब था तो कांग्रेस के 26 मंत्रियों में से 17, पांच सलाहकार और 98 में से 63 एमएलए क्यों हार गये? ध्रुवीकरण व तुष्टीकरण का असर भी चुनाव पर पड़ा। भाजपा ने राज्य में एक भी मुस्लिम को न गत लोकसभा में और न इस विस चुनाव में उतारा। जबकि कांग्रेस ने 15 मुस्लिम चुनावी रण में उतारे जिसमें से केवल 5 जीत कर 16वीं विधान सभा पहुंचे। इसके उलट भाजपा के चारों संत जीत गये। इसी तरह कांग्रेस का एक व भाजपा के 7 बागी विजयी हुए। भाजपा को 2.5 प्रतिशत नये वोटर्स का लाभ मिला। कांग्रेस के 11 में से 3 गुर्जर जीते, और भाजपा के 10 में से पांच विजयी हुए।

इसके साथ ये महत्वपूर्ण है अगर ऐसा ट्रेंड है तो क्या वसुंधरा राजे को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाया जायेगा? यूं तो भाजपा के जीते हुए एमएलए अपने नेता का नाम चुनकर पार्टी के पार्लियामेंट बोर्ड को नाम सौंपेंगे तब तय होगा सीएम। परंतु पांच से आठ अन्य प्रमुख भाजपाई नेता हैं जो सीएम पद की उम्मीद लगाये बैठे हैं। अगर सनातन रक्षा के मुद्दे पर अगला लोकसभा चुनाव भाजपा को लड़ना है तो तिजारा से जीते बाबा बालकनाथ (सांसद भी हैं) के मुख्यमंत्री बनाये जाने की जो अफवाहें चुनाव प्रक्रिया से पहले से उड़ी हैं।

चुनावी मुद्दा भी बने पर्यावरण का संकट

हतहितहतहत

पिछले दिनों जब पूरी दिल्ली धुएं और धुंध की चपेट में थी, उस दौरान हर आम और खास को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन सहित कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होने लगी थीं। अभी भी दिल्ली समेत देश के कई बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। सच्चाई यह भी है कि अगर वायु प्रदूषण को कम करने के तत्काल कदम नहीं उठाये तो भविष्य में इसकी बड़ी कीमत सब को चुकानी पड़ेगी। कुल मिलाकर कथित विकास के पीछे विनाश की आहट धीरे-धीरे दिखाई और सुनाई पड़ने लगी है। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि कई बार वायु प्रदूषण मापने वाला इंडेक्स ही काम नहीं करता, मतलब वह उच्चतम स्तर तक पहुंच जाता है।

वास्तविकता यह है कि अधिकांश राजनीतिक दलों के एजेंडे में पर्यावरण संबंधी मुद्दा है ही नहीं, न ही उनके चुनावी घोषणापत्र में पर्यावरण प्रदूषण कोई मुद्दा रहता है। देश में हर जगह, हर तरफ, हर पार्टी विकास की बातें करती हैं। लेकिन ऐसे विकास का क्या फायदा जो लगातार विनाश को आमंत्रित करता है। ऐसे विकास को क्या कहें, जिसकी वजह से सम्पूर्ण मानवता का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया हो। अब समय आ गया है जब पर्यावरण का मुद्दा राजनीतिक पार्टियों के साथ आम आदमी की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होना चाहिए। क्योंकि अब भी अगर हमने इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया तो आगे आने वाला समय भयावह होगा। दिल्ली में पिछले 18 सालों में कैंसर से होने वाली मौतें साढ़े तीन गुना तक बढ़ गई हैं और इसका एक कारण प्रदूषण है। इस बीच राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के साल 2012 से साल 2016 तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कैंसर रजिस्ट्री वाले सभी स्थानों में राजधानी दिल्ली में सबसे ज्यादा लोगों की रजिस्ट्री हुई है। इस आंकड़े के अनुसार, 0 से 14 साल के उम्र के बच्चों में कैंसर का प्रतिशत 0.7 प्रतिशत से 3.7 प्रतिशत के बीच है।

रिपोर्ट के अनुसार, वायु प्रदूषण के कारण बच्चों में कैंसर होने का खतरा ज्यादा हो जाता है क्योंकि बच्चे वयस्कों की तुलना में ज्यादा तेजी से सांस लेते हैं और ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी करते हैं। दिल्ली के ज्यादातर अस्पतालों में प्रदूषण के कारण बीमार हो रहे लोग भर्ती हो रहे हैं। फिलहाल इस जहरीली हवा में कई प्रदूषक मौजूद हैं, जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रिक ऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, ओजोन आदि। यह सभी तत्व इंसानी शरीर के लिए खतरनाक हैं। कुछ वर्षों पहले तक बीजिंग की गिनती दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में होती थी, लेकिन चीन की सरकार ने इस समस्या को दूर करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट 'वायु प्रदूषण और बाल स्वास्थ्य प्रिस्क्राइबिंग क्लीन एयर' के अनुसार भारत में पिछले पांच साल में जहरीली हवा के कारण सबसे ज्यादा, 5 साल से कम उम्र के बच्चों की असामयिक मौतें हुई हैं। ग्रीनपीस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में वायु प्रदूषण की स्थिति भयावह है। कुल 168 भारतीय शहरों में से एक भी डब्ल्यूएचओ के मानकों के अनुरूप नहीं है। इस संगठन ने आरटीआई समेत कई स्त्रोतों के हवाले से बताया कि भारत में हर साल वायु प्रदूषण के चलते 12 लाख लोगों की जान चली जाती है।

इतना ही नहीं, देश का तीन प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) जहरीली हवा के धुएं में घुल जाता है। अगर देश का विकास जरूरी है तो सबसे पहले वायु प्रदूषण से लड़ना होगा। एक अन्य अध्ययन के मुताबिक वायु प्रदूषण भारत में मौत का पांचवां बड़ा कारण है। हवा में मौजूद पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे छोटे कण मनुष्य के फेफड़े में पहुंच जाते हैं। जिससे सांस व हृदय संबंधित बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे फेफड़े का कैंसर भी हो सकता है। अध्ययन बताता है कि हम वायु प्रदूषण की समस्या को दूर करने को लेकर कितने लापरवाह हैं। अगर हालात नहीं सुधरे तो वो दिन दूर नहीं जब शहर रहने के लायक नहीं रहेंगे। स्वच्छ वायु सभी मनुष्यों, जीवों एवं वनस्पतियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके महत्व का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि मनुष्य भोजन के बिना हफ्तों तक, जल के बिना कुछ दिनों तक ही जीवित रह सकता है, किन्तु वायु के बिना उसका जीवित रहना असम्भव है।

मनुष्य दिनभर में जो कुछ लेता है, उसका 80 प्रतिशत भाग वायु है। प्रतिदिन मनुष्य 22000 बार सांस लेता है। इस प्रकार प्रत्येक दिन में वह 16 किलोग्राम या 35 गैलन वायु ग्रहण करता है। वायु विभिन्न गैसों का मिश्रण है जिसमें नाइट्रोजन की मात्रा सर्वाधिक 78 प्रतिशत होती है जबकि 21 प्रतिशत ऑक्सीजन तथा 0.03 प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड पाया जाता है तथा शेष 0.97 प्रतिशत में हाइड्रोजन, हीलियम, आर्गन, निऑन, क्रिप्टन, जेनान, ओजोन तथा जल वाष्प होते हैं। वायु में विभिन्न गैसों की उपरोक्त मात्रा उसे संतुलित बनाए रखती है। इसमें जरा-सा भी अन्तर आने पर वह असंतुलित हो जाती है और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित होती है। श्वसन के लिए ऑक्सीजन जरूरी है। जिस तरह से आज राजधानी दिल्ली के लोग शुद्ध हवा में सांस लेने को तरस रहे हैं, ऐसे में वो दिन दूर नहीं, जब देश के अधिकांश शहरों का यही हाल होगा। सरकार के साथ-साथ समाज और व्यक्तिगत स्तर पर भी काम करना होगा, तभी वायु प्रदूषण से छुटकारा मिल पायेगा।

ट्राई करें इडली का हैदराबादी स्टाइल

जब भी बात आती है हेल्दी नाश्ते की तो साउथ इंडियन खाने का नाम सबसे आगे आता है। सुबह के नाश्ते में इडली और डोसा खाना लगभग हर किसी को पसंद होता है। कई एक्टर्स को भी कहते सुना जाता है कि वो नाश्ते में इडली ही खाते हैं। दरअसल, आज हम आपको हैदराबादी स्टाइल में इडली तैयार करना बताएंगे। हैदराबादी स्टाइल इडली काफी ज्यादा मसालेदार, कुरकुरी और स्वादिष्ट होती है। इसके लिए आपको किसी भी तरीके के इडली मेकर की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसे बनाने के बाद आप अपने घर पर सुबह के नाश्ते में गर्मागर्म बनाकर चटनी के साथ सर्व कर सकते हैं।

इंस्टेंट इडली बैटर सामग्री

चावल का आटा, 1 कप उड़द दाल का आटा, आधा कप पोहा, एक चौथाई कप नमक, 1 छोटा चम्मच दही, आधा कप पानी, 1 कप फ्रूट साल्ट, 2 चम्मच प्याज (कटा हुआ), 2 बड़े चम्मच करी पत्ते, 5-6 टमाटर (कटे हुए)।

इडली पोड़ी मसाला का सामान

तेल 1 बड़ा चम्मच, चना दाल आधा कप, उड़द दाल आधा कप, सफेद तिल एक चौथाई कप, साबुत लाल मिर्च 20, हींग आधा छोटा चम्मच, चीनी 2 बड़े चम्मच, नमक 1 छोटा चम्मच।

विधि

हैदराबादी स्टाइल में इडली बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को एक जार में डालकर इसका महीन पाउडर बना लें। अब इसमें चावल और उड़द दाल के आटे को अच्छे से मिला लें। इसका बैटर बनाने के लिए 1 टीस्पून नमक, दही और पानी डालें। इसे कुछ मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। तब तक पोड़ी मसाला तैयार करें। एक पैन में एक चम्मच तेल गर्म करके उसमें चना दाल और उड़द दाल को पीस लें। जब ये सुनहरा होने लगे तो इसमें तिल और साबुत लाल मिर्च डालें। गैस बंद करने के बाद इसमें हींग डालें। इडली के बैटर को इंस्टेंट तैयार करने के लिए इसमें फ्रूट सॉल्ट मिलाएं। इसके बाद अब 2-3 टेबलस्पून तेल के साथ स्टोव पर एक फ्लैट पैन या तवा गरम करें। इस पर कटे हुए प्याज, करी पत्ता और हरी मिर्च को सुनहरा होने तक भूनें। जब ये सुनहरा हो जाए तो इसमे कटे हुए टमाटर डालें। इसमें दो चम्मच पोड़ी मसाला मिलाएं। अब अब इस मसाले को चार भागों में बांट लें। मसाला के प्रत्येक ब्लॉक के ऊपर एक स्कूप इडली बैटर डालें। अब इसे लिड के ढक कर बंद कर दें और फूलने तक इंतजार करें। इसे आपको चार से पांच मिनट तक पकाना है। ऐसे ही इसे पलट कर दूसरी तरफ से भी सेकें। आप इसे अपने हिसाब से कुरकुरा बना सकते हैं। धनिया के साथ इसे सजाकर गर्मागर्म ही चटनी के साथ परोसें।

घर पर बनाएं जयपुर की प्याज की कचौड़ी

भारत देश अपनी विविधता की वजह से जाना जाता है। यहां हर राज्य का अपना अलग खास तरह का खाना है। अगर बात करें राजस्थानी खाने की तो राजस्थान में नाश्ते के कई ऑप्शन मिल जाते हैं। सुबह से लेकर शाम तक राजस्थान के जयपुर जिले में आपको जगह-जगह प्याज की कचौड़ी मिल जाएगी। ये खाने में इतनी स्वादिष्ट लगती है कि क्या कहने। इसे लोग चाय के साथ खाना बेहद पसंद करते हैं। अगर आप कभी जयपुर गए होंगे तो आपने भी प्याज की कचौड़ी जरूर खाई होगी। जो भी व्यक्ति एक बार ये खास कचौड़ी खा लेगा, वो उसका स्वाद भूल नहीं पाएगा। ऐसे में आप अगर चाहें तो बड़ी ही आसानी से इसे घर पर बना सकते हैं।

सामग्री

1.5 कप बेसन, मैदा, 2 बड़े प्याज, पत्तियों के साथ कटा हुआ 2-3 हरी मिर्च, बारीक कटी हुई अदरक, हरा धनिया, 1/2 चम्मच अजवाइन, 1/2 चम्मच हींग, 1/2 चम्मच नमक, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1/2 छोटी सी लहसुन की कली।

विधि

सबसे पहले एक बड़े बाउल में मैदा, बेसन, नमक और अजवाइन डालें। इसके बाद इन सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से मिला लें। अब थोड़ी-थोड़ी देर में पानी डालकर बेसन गूंथें। इसे तैयार करके कुछ देर के लिए अलग रख दें। इसको कुछ देर रखने के बाद स्टफिंग तैयार करें। प्याज की कचौड़ी की स्टफिंग तैयार करने के लिए जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें जीरा, सौंफ और एक चुटकी हींग डालकर भूनें। इसके बाद कढ़ाही में कटे हुए प्याज डालकर तब तक पकाएं जब तक कि प्याज सुनहरा ना हो जाए। इसके बाद प्याज में अदरक का पेस्ट और कटी हरी मिर्च डालकर कुछ देर तक और भूनें। सही से भूनने के बाद इसे ठंडा करने के लिए अलग रखें। ऊपर से हरा धनिया जरूर डालें। जब स्टफिंग ठंडी हो जाए तो एक लोई लेकर उसे पहले हल्का बेल लें। इसके बाद अब इसमें प्याज की स्टफिंग भरकर चारों तरफ से दबा कर बंद कर दें। आखिर में इसे सुनहरा होने तक सेंकें। इसे आप हरे धनिये की चटनी के साथ परोस सकते हैं।

हंसना मना है

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर: आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संता: कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

पत्नी : कुछ साल पहले मेरा फिगर पेप्सी की बोतल की तरह था, पति : वो तो अब भी है बस, पहले बोतल 300ML की थी अब 2 ली. की है।

बाप- मेरे 4 बच्चे है, पहला MBA, दूसरा MCA, तीसरा PHD, चौथा चोर है। फ्रेंड- चोर को घर से निकालते क्यूं नहीं? बाप- वही तो कमाता है, बाकी सब बेरोजगार है।

संता- यार मुन्नू, पत्नी को बेगम क्यों कहा जाता है? बंता- क्या है की शादी के बाद, सारे गम पति के हो जाते है। तो पत्नी बेगम हो जाती है।

मनोहर- क्या एक वाईफ अपने हसबंड को लखपती बना सकती है? गजोधर- हां, पर हसबंड करोड़पती होना चाहिए।

कहानी: सारा जग बेईमान

बादशाह अकबर और बीरबल हमेशा की ही तरह एक दिन बैठकर अपनी प्रजा के बारे में बात कर रहे थे। बातों-ही-बातों में बादशाह ने कहा कि बीरबल तुम्हें पता है हमारी प्रजा बेहद ईमानदार है। इसका जवाब बीरबल ने ये कहते हुए दिया कि बादशाह सलामत, किसी भी राज्य में लोग पूरी तरह से ईमानदार नहीं होते हैं। सारा जग ही बेईमान है। बादशाह को बीरबल की यह बात पसंद नहीं आई। उन्होंने पूछा, बीरबल तुम ये कैसी बात कर रहे हो? बीरबल ने उत्तर दिया कि मैं एकदम सत्य कह रहा हूं। आप चाहो तो मैं अपनी बात अभी साबित कर सकता हूं। इतना आत्मविश्वास देखकर बादशाह बोले, ठीक है! जाओ तुम अपनी बात को सच साबित करके दिखाओ। बादशाह अकबर से इजाजत मिलते ही बीरबल पूरी प्रजा की बेईमानी बाहर लाने के लिए तरकीब सोचने लगे। उनके मन में हुआ कि लोग खुलकर बेईमानी नहीं करते हैं, इसलिए कुछ अलग करना होगा। यह सोचते ही उन्होंने पूरे राज्य में यह एलान कर दिया कि बादशाह एक बड़ा सा भोज करना चाह रहे हैं। उसके लिए वो चाहते हैं कि पूरी जनता अपना योगदान दे। बस आप लोगों को ज्यादा कुछ नहीं एक लोटा दूध पतीले में डालना होगा। इतना ही प्रजा की तरफ से काफी है। इस बात का एलान करवाने के बाद जगह-जगह पर एक-दो बड़े-बड़े पतीले रखवा दिए गए। इतना बड़ा पतीला और राज्य की जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए, उसमें लोगों ने शुद्ध दूध डालने के बजाय पानी मिला हुआ दूध डाला। किसी-किसी ने तो सिर्फ पानी ही डाल दिया। हर किसी के मन में यही होता था कि सामने वाले ने तो दूध ही डाला होगा। अगर मैं पानी या पानी मिला हुआ दूध डाल दूंगा तो क्या ही हो जाएगा। शाम तक पतीलों में दूध इकट्ठा हो गया। बीरबल अपने साथ बादशाह अकबर और कुछ रसोइयों को उन जगहों पर ले गए जहां पतीले रखे गए थे। बादशाह ने जिस भी पतीले में देखा तो दूध नहीं, सिर्फ सफेद पानी ही दिखा। रसोइयों ने भी कहा कि महाराज ये दूध नहीं है। ये सारा पानी ही है। इसमें मुश्किल से आधे से एक लोटा दूध होगा, जिसकी वजह से इसका रंग हल्का सफेद है। वरना ये पानी से ज्यादा कुछ नहीं। इन सारी चीजों को देखकर बादशाह अकबर हैरान हो गए। उनके मन में हुआ कि मैं तो सबको ईमानदार समझता था, लेकिन बीरबल की ही बात सच निकली। उन्होंने बीरबल को कहा कि तुम ठीक ही कहते थे। मुझे हकीकत समझ आ गई है। इतना कहते हुए बादशाह, बीरबल और रसोइये वापस महल आ गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज का दिन काफी अच्छा रहेगा। आर्थिक पक्ष पहले से और मजबूत होगा। घरेलू कार्यों को पूरा करने में आज आप सफल होंगे। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

वृषभ आज का दिन सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़े लोगों के लिए मान सम्मान भरा रहेगा। आज यदि परिवार में लंबे समय से कोई कलह पसारे हुए थे, तो आज वह समाप्त होगी।

मिथुन आज आप परिवार के साथ किसी काम में व्यस्त रहेंगे। ऑफिस में आपको कोई बड़ा काम निपटाने की जिम्मेदारी मिलेगी, जिसको समय से पूरा कर लेंगे।

कर्क आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आज वैवाहिक जीवन जी रहे लोगों के लिए दिन आनंदमय रहेगा। प्रेम जीवन के लिए दिन बेहतर रहेगा।

सिंह आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी जरूरी कामकाज को निपटाने में सफल होंगे। आप अपने आसपास के लोगों के साथ उदार रहेंगे।

कन्या आज का दिन आपके लिए और दिनों से बेहतर रहने वाला है। आज आप जिस भी काम को करेंगे, उसमें आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

तुला आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको किसी भी तरह की गलतफहमी से बचना चाहिए। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक आज का दिन आपके प्रभाव व प्रताप में वृद्धि का दिन रहेगा। आज आपको उच्चाधिकारियों व माता-पिता की कृपा से कोई ऐसी प्रिय वस्तु प्राप्त हो सकती है।

धनु आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज अपने कॉन्फिडेंस के दम पर आप हर काम में सफल होंगे। कला या किसी रचनात्मक काम में आपका रूझान बढ़ेगा।

मकर आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा, जिसके कारण आपके सभी कार्य बनते चले जाएंगे और आपके मन में खुशी बनी रहेगी।

कुम्भ आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको अचानक धन लाभ होगा। ऑफ़िस में आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा लेगा। व्यापारियों को आय के नए स्रोत मिलेंगे।

मीन आज का दिन कुछ खास रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार में होने वाली हानि को लाभ में बदल पाने में कामयाब रहेंगे,जिसके कारण आपके लिए दिन बेहतर रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

कड़क सिंह में मेरा किरदार काफी मुश्किल था : पंकज

पंकज त्रिपाठी ने दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई है। एक्टर की फैन फॉलोविंग लम्बी चौड़ी है। फैंस को उनकी फिल्म का इंतजार रहता है। हाल ही में एक्टर ने अपनी नई फिल्म कड़क सिंह के किरदार को लेकर बातें शेयर की। पंकज त्रिपाठी ने हाल ही में बताया कि फिल्म में उनका किरदार काफी मुश्किल था और उन्हें उस किरदार को प्ले करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। एक्टर ने कहा, लिखना, स्क्रीनप्ले करना सबकुछ मुश्किल था इस फिल्म को बनाना ही काफी कठिन रहा। इस फिल्म पर और भी काम करने की जरूरत थी, क्योंकि ये एक अलग कंटेंट है। आगे एक्टर ने यकीन दिलाया कि फिल्म को लेकर मेकर्स से लेकर सबने बहुत मेहनत की और फिल्म सभी को बहुत पसंद आएगी और इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिलेगा। पंकज त्रिपाठी ने ओटीटी पर कई फिल्में की हैं। एक्टर की आधा दर्जन से भी ज्यादा फिल्में ओटीटी पर मौजूद हैं। एक्टर को ओटीटी पर खासतौर से काम करने के लिए जाना जाता है। इसे लेकर पंकज त्रिपाठी ने कहा, मैं सिनेमा या ओटीटी का एक्सपर्ट नहीं हूं लेकिन मैं जानता हूं कि अच्छी एक्टिंग कैसे करते हैं। मैं जानता हूं कि आज की जनता ओटीटी पर फिल्में देखना पसंद करती है और बहुत से लोगों को डिजिटल कंटेंट ही पसंद आते हैं। अब आगे देखना होगा ये कंटेंट हमे कहां ले जाता है। फिल्म में एक ऐसे इंसान की कहानी है जिसे भूलने की बीमारी है। फिल्म में किरदार की बीमारी उसकी बीती जिंदगी के रहस्यों से पर्दा उठाती है। फिल्म में संजना सांघी ने भी काम किया है। बता दें कि कड़क सिंह 8 दिसंबर 2023 से जी-5 पर स्ट्रीम होगी। फिल्म कड़क सिंह का निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया है, जिसमें पंकज त्रिपाठी के अलावा जया अहसान, संजना सांगी, परेश पाहुजा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

भाईजान पर भड़के अभिजीत भट्टाचार्य, बोले-

खुद को भगवान न समझें सलमान

मशहूर सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य ने अपने लंबे करियर में कई म्यूजिक वीडियोज और फिल्मों को अपनी जादुई आवाज से सजाया है। उन्होंने अब तक 1000 फिल्मों में 6000 से भी ज्यादा गाने गाए हैं। वहीं, जहां एक ओर अभिजीत अपनी सुरीली आवाज के लिए जाने जाते हैं, वहीं, उनके अपने बेबाक बयानों के कारण भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं। इस बार अभिजीत ने बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान को लेकर एक ऐसा बयान दे दिया है कि वह फिर से खबरों में आ गए हैं।

हाल ही में दिए अपने एक इंटरव्यू में अभिजीत से जब सलमान के साथ उनकी इक्वेशन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सलमान सिर्फ अपनी गुडविल की वजह से सफल हुए हैं। वह भगवान नहीं है और न ही उन्हें खुद को भगवान समझना चाहिए। इसके अलावा 2015 के हिट-एंड-रन मामले में सलमान के सपोर्ट में की गई टिप्पणी को लेकर भी अभिजीत से सवाल किए गए। इस पर उन्होंने कहा कि वह सलमान खान के सपोर्ट में कभी नहीं थे और न ही कभी उनका समर्थन करेंगे।

बता दें कि 2015 में सलमान की गाड़ी फुटपाथ पर सोए हुए लोगों पर चढ़ गई थी। इस हादसे में एक शख्स की मौत हो गई थी और 4 घायल हुए थे। हालांकि, इस केस में सबूतों के अभाव के कारण बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुपरस्टार को राहत दे दी थी। उस समय अभिजीत ने अपने एक ट्वीट में कहा था कि फुटपाथ किसी के सोने की जगह नहीं है। अब उनके इसी ट्वीट पर उनसे सलमान का समर्थन करने का सवाल किया गया। अभिजीत का कहना है कि लोग सोच भी कैसे सकते हैं कि मैं एक ऐसे आदमी को सपोर्ट करुंगा जो सिर्फ दुश्मन देश (पाकिस्तान) के कलाकारों को बढ़ावा देता हैं। पाकिस्तान की ओर अपनी वफादारी साबित करने के लिए उन्होंने एक नहीं, बल्कि कई बार बड़े-बड़े भारतीय सिंगर्स को हटाकर उनकी जगह पाकिस्तानी सिंगर को ले लिया। हालांकि, अभिजीत ने यहां ऐसे किसी पाकिस्तानी सिंगर का नाम नहीं लिया, जिन्हें सलमान ने सपोर्ट किया हो।

अरिजीत पर हुए नाराज

अभिजीत ने आगे सलमान और अरिजीत सिंह के विवाद पर भी बात की। सिंगर ने कहा, अरिजीत देश के बड़े गायकों में से एक हैं, उन्हें सलमान से माफी नहीं मांगनी चाहिए थी। मुझे हैरानी होती है कि वह बंगाली हैं। अभिजीत ने आगे कहा कि उन्हें सलमान से कहना चाहिए था कि वह उनके लिए कभी कोई गाना नहीं गाएंगे। बता दें कि हाल ही में अरिजीत ने सलमान के लिए उनकी फिल्म टाइगर 3 का गाना लेके प्रभु का नाम गाया है।

फाइटर में दिखा दीपिका पादुकोण का दमदार लुक

बॉलीवुड | मसाला

फाइटर 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। हाल में इस फिल्म से ऋतिक रोशन का बहुप्रतीक्षित लुक सामने आया था। अब मेकर्स ने दर्शकों को फिल्म से दीपिका पादुकोण के एक्सक्लूसिव लुक की झलक भी दे दी हैं। जी हां, फिल्म से स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़ उर्फ दीपिका पादुकोण का लुक सामने आ गया है, जिन्हें उनके कॉल साइन मिन्नी के नाम से भी जाना जाता है। एयर ड्रैगन्स यूनिट में एक स्क्वाड्रन पायलट के रूप में उनकी भूमिका लचीलेपन और वीरता को दर्शाती है। यह एक हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में उनका पहला मिशन है।

स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़ का किरदार फाइटर में साहस, दृढ़ संकल्प और एक मजबूत भावना का प्रतिनिधित्व करता है। उसकी कहानी फिल्म में एक ऐसी नारीत्व की तस्वीर है, जो नई चुनौतियों का सामना करती है, मानदंडों को फिर से परिभाषित कर रही है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित कर रही है। फाइटर बेहद खास फिल्म है। इस कहानी में बहुत कुछ नया देखने को मिलने वाला है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में और मार्फिलक्स पिक्चर्स के साथ, ये फिल्म बनाई गयी है। बहुत सारे एक्शन और देशभक्ति की भावना के साथ यह फाइटर 25 जनवरी, 2024, भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के खास मौके पर रिलीज हो रही है।

अजब-गजब | इस देश में 2 मिनट ही है नहाने की परमिशन

धरती के इस हिस्से पर 24 घंटे रहता है अंधेरा

दुनिया में हर जगह की अपनी खासियत होती है। ये कभी भौगोलिक परिस्थितियों की वजह से जाने जाते हैं तो कभी उनका अपना कुछ कल्चर होता है, जो उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। कहीं ज्यादा गर्मी होती है तो कहीं ज्यादा ठंड पड़ती है। कुछ जगहों पर तो इतना एक्सट्रीम वेदर होता है कि लोगों के लिए रोजाना की जिंदगी जीना भी किसी स्ट्रगल से कम नहीं लगता।

ऐसी ही एक जगह है, जहां रहने के लिए हर रोज जूझना होता है। वजह है यहां का मौसम, जो उन्हें सामान्य दिनचर्या में आने की नहीं देता। इस जगह पर पहुंचना जितना कठिन है, उतना ही मुश्किल है यहां आकर सर्वाइव करना क्योंकि ये बाकी दुनिया से बिल्कुल अलग सा है। न तो यहां आपको सामान्य जगहों की तरह खाना-पीना मिलता है और न ही आप आराम से घूम-टहल सकते हैं। जो काम हमें रूटीन लगते हैं, वो यहां आकर मुश्किल बन जाते हैं। साउथ पोल के बारे में आपने सुना होगा, वो बेहद ठंडी जगह, जहां से सेंटा क्लॉज के आने की कहानियां हम सबने सुनी हैं। यहां पर तापमान बेहद कम होता है। 32 साल की सैन फ्रांसिस्को निवासी मिशेल ने यहां रहने का अपना अनुभव बताया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक महिला पिछले साल नवंबर में यहां घूमने गई थी और हॉस्पिटैलिटी मैनेजर की नौकरी करने लगी। उसने बताया कि साउथ पोल पर माइनस 106 फारेनहाइट का तापमान होता ही है लेकिन शरीर बहुत जल्दी इसे एडॉप्ट कर लेता है। यहां नवंबर से फरवरी तक सूरज निकलता है और इन 6 महीनों को ऑस्ट्रेल समर कहा जाता है। कुछ महीने ऐसे होते हैं, जिसमें न अंधेरा और न ही उजाला होता है। वहीं 10 मई के बाद से 6 महीने तक बिल्कुल अंधेरे की स्थिति आ जाती है और सूरज के दर्शन तक नहीं होते। इसके अलावा साउथ पोल पर रहते हुए आप रोजाना नहा भी नहीं सकते हैं। लोगों को हफ्ते में सिर्फ 2 बार नहाने की इजाजत है, वो भी सिर्फ 2 मिनट के लिए। अगर यहां आपको खाना फ्रीज करना है, तो किसी फ्रीजर की जरूरत नहीं है, आप इसे वैसे ही बाहर रख देंगे तो ये फ्रीज हो जाएगा। सबसे दिलचस्प बात ये है कि यहां क्रिसमस मनाने का भी अलग रिवाज है। लोग जुलाई में पूरे महीने क्रिसमस सेलिब्रेट करते रहते हैं। है ना बेहद दिलचस्प जगह!

यहां लगती है दूल्हों की मंडी, 50 हजार में घर ले जा सकते हैं मनपसंद पति!

दुनिया में कई तरह के मार्केट हैं। कहीं सब्जियां, कहीं फल तो कहीं पुराने सामानों की बिक्री होती है। इन मार्केट्स में एक जैसी चीज कई वेंडर्स बेचते हैं। जो भी इन मार्केट्स में जाते हैं, वो अच्छे से जांच-परख कर सामान खरीदते हैं। ऐसे स्पेसिफिक मार्केट्स में सामान सस्ते दाम में मिलते हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर बुल्गारिया का ब्राइड मार्केट चर्चा में आया था। इस मार्केट में लोग दुल्हन खरीदने आते हैं। लेकिन क्या आपको ऐसे मार्केट के बारे में पता है, जहां दूल्हों की बिक्री होती है? जी हां, सही पढ़ा आपने। हम बात कर रहे हैं ऐसे मार्केट के बारे में, जिसमें दूल्हे बिकते हैं। इस मार्केट में क्वालिफिकेशन के आधार पर दूल्हों की बिक्री होती है। लड़का कितना पढ़ा-लिखा है, वो कहां नौकरी करता है, उसकी खानदानी विरासत कितनी है, इस आधार पर लड़कों की कीमत लगाई जाती है। सबसे खास बात कि इस मार्केट में जाने के लिए आपको विदेश जाने की जरुरत नहीं है। ये मार्केट भारत में ही है।

हर साल बिहार के मधुबनी में ग्रूम मार्केट लगाया जाता है। लोकल मार्केट एरिया में कई लड़के अपनी बोली लगवाते हैं। ये बाजार नौ दिनों तक लगता है। इस दौरान यहां कई कुंवारे लड़के इस उम्मीद में आते हैं कि किसी लड़की को वो पसंद आ जाए और उसकी शादी हो जाए। लड़के इस बाजार में धोती-कुर्ता पहन या जींस-शर्ट पहनकर आते हैं। इस बाजार के बारे में कहा जाता है कि इसकी शुरुआत दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए की जानकारी के मुताबिक, इस बाजार में भी आने वाले कुछ लड़के दहेज की मांग करते हैं। यहां लड़कों को उनके क्वालिफिकेशन के आधार पर अगर किसी की उम्र 35 साल से ज्यादा है, तो उसकी कीमत पचास हजार रुपए तक हो जाती है। वहीं अगर उम्र कम है तो उसकी कीमत दो से तीन लाख रखी जाती है। मंडी में पंडित भी होते हैं जो इन रिश्तों को फिक्स करने में मदद करते हैं।

सही के साथ खड़े रहना भारत का कर्तव्य : प्रियंका

हमास-इस्राइल युद्ध पर बोलीं कांग्रेस महासचिव, भारत ने हमेशा किया फलस्तीनियों का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस्राइल-हमास संघर्ष के कारण गाजा में लगातार युद्ध जारी है। अब इस युद्ध को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। प्रियंका ने कहा कि भारत का कर्तव्य है कि जो सही है उसके साथ खड़े रहे। साथ ही युद्धविराम के लिए हर संभव प्रयास करें। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि भारत हमेशा सही बातों का समर्थन करता आया है। हमारे देश ने स्वतंत्रता के लिए फलस्तीनी लोगों का हमेशा से समर्थन किया है। उन्होंने आगे कहा कि गाजा में बमबारी अभी भी जारी है। खाद्य आपूर्ति दुर्लभ हो गई। चिकित्सा सुविधाएं नष्ट कर दी गई और जरूरत की सभी चीजों की आपूर्ति को भी बंद कर दिया गया है। पूरे देश को खत्म किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इस युद्ध में 16,000 मासूम नागरिक मारे जा चुके हैं, जिसमें 10,000 बच्चे, 60 पत्रकार और सैकड़ों चिकित्सा कर्मचारी शामिल हैं। प्रियंका ने कहा कि ये हमारे जैसे ही सपने और उम्मीदे रखने वाले लोग हैं। हमारे आंखो के सामने उन्हें मारा जा रहा है। कहां गई हमारी इंसानियत? हम अपने फलस्तीनी भाई बहनों का उनकी आजादी के संघर्ष में लंबे समय से ही समर्थन कर रहे हैं, लेकिन अब हम पीछे हो गए हैं और उनके लिए कुछ भी नहीं कर रहे।

हमें युद्धविराम के लिए करना चाहिए हर संभव प्रयास

कांग्रेस नेत्री ने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय का हिस्सा होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि वह सही के साथ खड़े रहे। हमें जल्द से जल्द युद्धविराम सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से बताई गई जानकारी के अनुसार, इस इस्राइल-हमास संघर्ष के कारण गाजा में मरने वालों की संख्या 16,200 के पार जा चुकी है। वहीं 42,000 के करीब घायल है। सात अक्टूबर को हुए हमले के बाद इस्राइल ने गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य आक्रमण शुरू किया है।

यूपी में दौड़ी तबादला एक्सप्रेस, 14 आईपीएस अफसरों का हुआ ट्रांसफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बांदा के डीआईजी रेंज विपिन कुमार मिश्रा को वाराणसी में डीआईजी पीएसी बनाया गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर तबादला एक्सप्रेस दौड़ी। शासन ने बुधवार देर रात महराजगंज, अंबेडकरनगर और हाथरस के एसपी समेत 14 आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया। आईजी सीबीसीआईडी के. सत्यनारायण को वहीं एडीजी बना दिया गया है। इसी तरह प्रयागराज कमिश्नरेट में उपायुक्त पवन कुमार को वहीं पर अपर पुलिस आयुक्त बना दिया गया है।

बांदा के डीआईजी रेंज विपिन कुमार मिश्रा को वाराणसी में डीआईजी पीएसी बनाया गया है। गाजियाबाद में अपर पुलिस आयुक्त भारती सिंह को पीटीएस मेरठ भेजा गया है। वाराणसी के. डीआईजी पीएसी अजय कुमार सिंह को बांदा रेंज का डीआईजी बनाया गया है। पीटीएस मुरादाबाद की एसपी कल्पना सक्सेना को गाजियाबाद का पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। महराजगंज के एसपी डॉ. कौस्तुभ को अंबेडकरनगर का एसपी बनाया गया है। आगरा के अपर पुलिस उपायुक्त सोमेंद्र मीना को महराजगंज का एसपी बनाया गया है। गाजियाबाद के अपर पुलिस उपायुक्त निपुण अग्रवाल को हाथरस का एसपी बनाया गया है। अंबेडकरनगर के एसपी अजीत कुमार सिन्हा को एसपी साइबर क्राइम बनाया गया है। हाथरस के एसपी देवेश कुमार पांडेय को 23वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद का सेनानायक बनाया गया है। एसपी नियम एवं ग्रंथ निजाम हसन का पीटीएस मेरठ के लिए पूर्व में हुआ तबादला आदेश रद कर दिया गया है। कानपुर में एसपी एलआईयू अरविंद मिश्रा को पावर कार्पोरेशन भेजा गया है। आजमगढ़ के एसपी एलआईयू शैलेंद्र कुमार राय को पीटीएस मेरठ भेजा गया है। सहकारिता प्रकोष्ठ में तैनात चंद्र प्रकाश शुक्ला को आजमगढ़ में एसपी एलआईयू बनाया गया है।

केंद्र सरकार ने किसानों के साथ किया छल : जयंत

» रालोद प्रमुख ने कहा- एमएसपी के नाम पर भाजपा ने किसानों को गुमराह किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

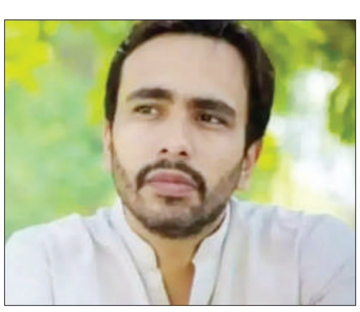

मुजफ्फरनगर। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने किसानों का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। मुजफ्फरनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने बीजेपी पर किसानों को ठगने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने जो हमारे किसान भाइयों के साथ सबसे बड़ा छल किया है, वह है एमएसपी के मुद्दे पर, और आज तक इस मुद्दे पर बीजेपी सरकार ने किसानों को केवल गुमराह ही किया है। एमएसपी योजना के नाम पर किसानों को छला गया है।

चौधरी ने कहा कि 2018 में सर छोटू राम की स्मृति में सरकार ने एक योजना की शुरूआत की थी जिसका नाम- अन्नदाता आय संरक्षण अभियान है। प्रधानमंत्री कहते हैं कि एमएसपी, लागत की बात बहुत हो गई, हमें किसानों की आय बढ़ानी है। अच्छी बात है, लेकिन उन्होंने क्या किया। पहले साल इस योजना के लिए थोड़ा बजट था। इस साल 2023-24 के बजट में इसके लिए सिर्फ एक लाख रुपये दिए। ये योजना एमएसपी को सुरक्षित करने के लिए बनाई थी। इसका अब कुछ पता नहीं है। ये किसानों के साथ छल है।

'कमल' से निकले सर्वाधिक आपराधिक माननीय

90 विधायकों में से 51 भाजपा के, 38 कांग्रेस, 89 फीसदी करोड़पति पहुंचे सदन, एडीआर की रिपोर्ट में खुलासा

गीताश्री

नई दिल्ली। साफ सुथरी छवि का दंभ भरने वाली भाजपा क असली चेहरा एडीआर द्वारा जारी किए गए आंकडों में सामने आए है। इसमें आपराधिक मामले वाले इन 90 विधायकों में से 51 भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के, 38 कांग्रेस पार्टी के और एक भारतीय आदिवासी पार्टी के हैं। पिछले 2018 विधानसभा चुनावों की तुलना में इस बार संख्या में थोड़ी गिरावट है। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव संपन्न होने और उसके नतीजे घोषित होने के बाद एसोसिएशन फॉर डेमोक्रटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने अपनी रिपोर्ट जारी की जिसमें यह खुलासा हुआ कि राज्य के 230 में से 90 नवनिर्वाचित विधायक यानी करीब 39 फीसदी विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एडीआर एक गैर-लाभकारी संगठन है जो चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की आपराधिक, वित्तीय और शैक्षिक पृष्ठभूमि का खुलासा करता है। रिपोर्ट में बताया गया कि 2023 में विश्लेषण किए गए 230 में से 90 विजेता उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसी

230 में से 90 नवनिर्वाचित विधायकों पर आपराधिक मामले

तरह, राज्य में 230 में से 34 विजयी उम्मीदवारों यानी लगभग 15 प्रतिशत ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। 2018 के एमपी विधानसभा चुनावों के दौरान, 230 में से 94 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे, जबकि 230 में से 47 विधायकों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए थे। रिपोर्ट में एक और दिलचस्प डेटा यह है कि राज्य में 205 नवनिर्वाचित विधायक यानी करीब 89 फीसदी करोड़पति हैं।

144 बीजेपी व कांग्रेस के 61 एमएल करोड़पति

इन करोड़पति विधायकों में से 144 बीजेपी के और 61 कांग्रेस पार्टी के हैं। राज्य में करोड़पति विधायकों की संख्या पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में बढ़ी है क्योंकि 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान 187 विधायक करोड़पति थे। रतलाम जिले के रतलाम शहर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चेतन्य कश्यप राज्य के सबसे अमीर विधायक हैं जिनकी कुल संपत्ति 296 करोड़ रुपये से अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी तरह, कटनी जिले की विजयराघवगढ़ विधानसभा सीट से भाजपा विधायक संजय सत्येंद्र पाठक 242 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर विधायक हैं, उनके बाद कांग्रेस विधायक कमल नाथ हैं, जिनकी कुल संपत्ति 134 करोड़ रुपये से अधिक है।

रवि बिश्नोई ने लगाई लंबी छलांग, दुनिया के नंबर-1 टी-20 गेंदबाज बने

अफगानिस्तान के राशिद खान को पीछे छोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया टी-20 सीरीज 4-1 से अपने नाम की। पांच मैचो की टी-20 सीरीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद ही शानदार रहा था। सूर्या की युवा ब्रिगेड ने इस जीत के साथ ही वनडे विश्व कप के फाइनल में मिली हार का हिसाब चुकता किया। भारत-ऑस्ट्रेलिया टी-20 सीरीज के बाद अब आईसीसी ने टी-20 रैंकिंग जारी की, जिसमें भारतीय प्लेयर्स चमके हुए नजर आए।

दाएं हाथ के भारतीय लेग स्पिनर रवि बिश्नोई दुनिया के नंबर 1 टी-20 गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने अफगानिस्तान के राशिद खान को पछाड़ दिया। वहीं, टी-20 रैंकिंग में बल्लेबाजों में टॉप पर सूर्यकुमार यादव ही हैं। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में भारत के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया था, जिन्होंने पूरी सीरीज में कुल 9 विकेट चटकाए थे। इस धमाकेदार परफॉर्मेंस का रवि बिश्नोई को अब इनाम मिल गया। रवि बिश्नोई दुनिया के नंबर-1 टी20 गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने राशिद खान को पीछे छोड़ दिया। बिश्नोई के टॉप पर आने के बाद राशिद खान दूसरे स्थान पर खिसक गए। तीसरे स्थान पर संयुक्त रूप से आदिल राशिद और वानिंदु हरंगा है और पांचवें स्थान पर महीश तीक्षणा है।

सूर्यकुमार शीर्ष बल्लेबाज

टी-20 में बल्लेबाजों की रैंकिंग में टॉप पर सूर्यकुमार यादव 855 रेटिंग के साथ मौजूद हैं। दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान हैं, जिनके पास 787 रेटिंग है। इस लिस्ट में छठे नंबर पर डेविड मलान पहुंचे है, जबकि रुतुराज गायकवाड़ एक स्थान खिसक कर सातवें पायदान पर पहुंच गए। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 16 स्थान छलांग लगाकर 19वें स्थान पर आ गए हैं। वहीं, टी-20 ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में शाकिब अल हसन पहले स्थान पर हैं। दूसरे स्थान पर मोहम्मद नबी है। तीसरे स्थान पर हार्दिक पांड्या बने हुए हैं।

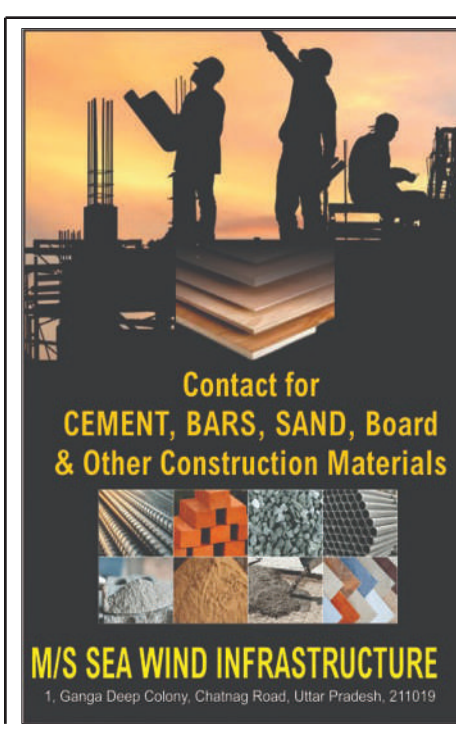

तीन राज्यों के सीएम ऐलान में देरी पर कांग्रेस ने पूछा भाजपा से सवाल

» कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पूछा- आखिर क्यों हो रही देरी

» मीडिया द्वारा मामले को प्रमुखता से न दिखाने पर भी उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

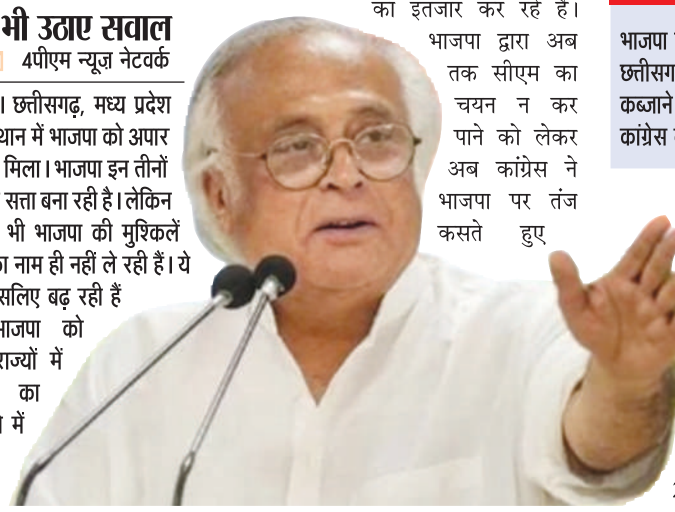

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा को अपार जनसमर्थन मिला। भाजपा इन तीनों ही राज्यों में सत्ता बना रही है। लेकिन इसके बाद भी भाजपा की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। ये मुश्किलें इसलिए बढ़ रही हैं क्योंकि भाजपा को तीनों ही राज्यों में मुख्यमंत्री का चयन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यही वजह है कि चुनाव परिणाम आने के 4 दिन बाद तक भाजपा तीन में से एक भी राज्य में अब तक सीएम का नाम घोषित नहीं कर पाई है। अभी तक तीनों राज्य अपने मुख्यमंत्री की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। भाजपा द्वारा अब तक सीएम का चयन न कर पाने को लेकर अब कांग्रेस ने भाजपा पर तंज कसते हुए निशाना साधा है। कांग्रेस ने पूछा कि आखिर मुख्यमंत्रियों की घोषणा में देरी क्यों हो रही है?

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि तीन दिसंबर को चुनाव परिणाम आए थे। उसके 24 घंटे के भीतर ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री की नियुक्ति में तथाकथित 'देरी' के लिए मीडिया में सभी जगह कांग्रेस पार्टी की आलोचना होने लगी थी। लेकिन राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री के ऐलान में देरी पर ये मीडिया खामोश क्यों है?

इतनी सीटों पर जीती भाजपा

पांच राज्यों में से तीन मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिल गया है। मध्य प्रदेश में भाजपा प्रचंड बहुमत पाकर 163 सीटें जीतने में सफल रही। वहीं राजस्थान में भाजपा को 115 सीटों पर जीत मिली। छत्तीसगढ़ में भाजपा 54 सीटें जीतकर सत्ता कब्जाने में सफल रही है। वहीं, तेलंगाना में कांग्रेस को 64 सीटों पर जीत मिली।

भाजपा की देरी को क्यों नहीं उठा रही मीडिया

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आगे कहा कि हमारे मुख्यमंत्री की घोषणा तो परसों ही हो चुकी है और आज उन्होंने शपथ भी ले ली है। पर तीन दिन बीतने के बाद भी भाजपा छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के लिए अपने मुख्यमंत्रियों की घोषणा तक नहीं कर पाई है। रमेश ने कहा कि इस बात को उतनी ही बैचेनी और प्रमुखता से क्यों नहीं उठाया जा रहा है, जहां वास्तव में देर हो रही है?

फोटो: सुमित कुमार

ध्वस्तीकरण पेपर मिल के भीखमपुर में आज फिर चला अवैध मकानों पर बुलडोजर, कुकरैल के सौंदर्यीकरण को लेकर अवैध मकानों को किया गया ध्वस्त, इस दौरान पीएसी के साथ भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

संक्षिप्त खबरें

दिशा सालियान आत्महत्या मामले में बढ़ सकती हैं आदित्य ठाकरे की मुश्किलें

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिशा सालियान आत्महत्या मामले की शिंदे सरकार एसआईटी के जरिये जांच करेगी। डीआईजी रैंक के अधिकारी इस एसआईटी के काम का निरीक्षण करेंगे। आपको बता दें कि दिशा सालियान मामले में ठाकरे की जांच की जाए यह मांग कई विधायकों ने की है। इस मामले में गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पिछले शीतकालीन सत्र के समय एसआईटी जांच के आदेश दिये थे। और अब जाकर एसआईटी बनाई जा रही है जो इस मामले की जांच करेगी। बता दें कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने अब आदित्य ठाकरे के खिलाफ जांच शुरू करने का फैसला किया है। जिससे शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के लिए परेशानी बढ़ सकती है। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर सालियान ने राजपूत की कथित आत्महत्या से कुछ दिन पहले 8 जून, 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक ऊंची इमारत से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी।

बिहार में एक भी सीट नहीं जीतेगी भारतीय जनता पार्टी : लालू यादव

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पांच राज्यों में से चार जगह कांग्रेस की बुरी हार के बावजूद बिहार में भारतीय जनता पार्टी को बुरी तरह हराने का दावा कर रहे हैं। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए लालू ने कहा कि भाजपा वाले यहां एक भी सीट नहीं जीतेंगे। सभी सीटें इंडिया जीतेगा। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हार के तत्काल बाद कांग्रेस ने इंडी एलायंस की बैठक छह दिसंबर को रखी थी, जिसे सहमति नहीं होने के कारण टाल दिया गया। लालू ने ही बिहार में जानकारी दी कि अगली बैठक 17 दिसंबर को होगी और उसमें सभी रहेंगे। इसके अगले दिन सीएम नीतीश कुमार ने भी कहा कि वह जरूर रहेंगे।

'मिचौंग' के नुकसान की समीक्षा करेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

चेन्नई। चक्रवात मिचौंग के कारण चेन्नई के कई हिस्सों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। इस दौरान भारी बारिश भी देखने को मिला, जिसके कारण यरूशलम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में जलभराव हो गया। पल्लिकरनई इलाके में पेट्रोल पंप भी बाढ़ में डूब गया है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मिचौंग से हुए नुकसान और राहत व बचाव कार्य के लिए केंद्र से तत्काल 5,060 करोड़ रुपये की मदद मांगी है। साथ ही केंद्रीय टीम भेजने का भी आग्रह किया है। मदिपक्कम इलाके में ड्रोन दृश्य जारी किया है। इस क्षेत्र के कई इलाकों में पानी का स्तर घट रहा है। तूफान के कारण हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चेन्नई के लिए रवाना हुए। वह तमिलनाडु के प्रभावित इलाकों में हवाई सर्वेक्षण करेंगे। साथ ही राज्य सरकार के साथ स्थिति पर समीक्षा करेंगे।

विधायकों की अयोग्यता संबंधी याचिका पर सुनवाई के लिए करना होगा अतिरिक्त काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागरपुर। विधायकों की अयोग्यता संबंधी याचिका पर सुनवाई के बारे में बात करते हुए महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने कहा कि इस याचिका पर सुनवाई के लिए उन्हें अतिरिक्त घंटे काम करना पड़ेगा, ताकि महाराष्ट्र विधानसभा की कार्यवाही भी सुचारू रूप से चल सके। बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत आज यानी 7 दिसंबर से हो गई है और यह 20 दिसंबर तक चलेगी।

मीडिया से बात करते हुए महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चलानी है और साथ ही अयोग्यता संबंधी याचिका पर भी सुनवाई करनी है। ऐसे में लगता है कि मुझे सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक काम करना पड़ेगा, तभी मैं दोनों जिम्मेदारियां पूरी कर सकूंगा।

जम्मू-कश्मीर को लेकर नेहरू पर दिए गए गृहमंत्री के बयान पर लालू ने किया पलटवार

अमित शाह को नहीं कोई जानकारी

» आरजेडी प्रमुख ने कहा- जम्मू-कश्मीर में अभी हो रहे हमलों के लिए शाह जिम्मेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

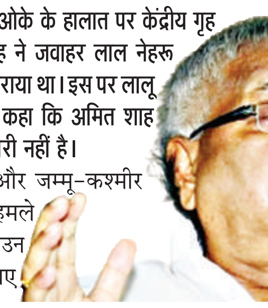

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव इन राजनीति में काफी एक्टिव हैं। आज कई मुद्दों पर मीडिया से बातचीत के दौरान बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार और अमित शाह पर हमला बोला। पीओके के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जवाहर लाल नेहरू को जिम्मेवार ठहराया था। इस पर लालू प्रसाद यादव ने कहा कि अमित शाह को कोई जानकारी नहीं है।

पीओके और जम्मू-कश्मीर में अभी जो हमले हो रहे हैं उन सबके लिए अमित शाह ज़िम्मेदार हैं। वहीं, आगे उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी सभी सीट हार जाएगी। हमलोगों की जीत होगी। इंडिया गठबंधन की बैठक को लेकर लालू प्रसाद यादव ने कहा कि 17 और 18 दिसंबर को बैठक होगी। वहीं, 2024 चुनाव की तैयारी को लेकर उन्होंने कहा कि हम लोग की तैयारी पूरी है।

जेडीयू नेता ने अमित शाह का दिया साथ

वहीं, इस मुद्दे पर जेडीयू के सांसद सुनील कुमार पिंटू ने नेहरू को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि नेहरू से हमारे इतिहास में गलतियां हुई हैं। इसलिए पीओके पर किसी और का आज कब्जा है। इतिहास में की गई गलती की हम खामियां भुगत रहे हैं। पार्टी लाइन की बात नहीं है, लेकिन यह सच्चाई है और पीओके पर कब्जे के लिए सीधे जिम्मेदार नेहरू थे।

ममता पर टिप्पणी करने पर टीएमसी ने गिरिराज को घेरा

टीएमसी बोली- भाजपा करती है महिलाओं का अपमान, बीजेपी के लिए महिलाओं को चुनौती देना कठिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा सांसद गिरिराज सिंह के ममता बनर्जी को लेकर दिए गए बयान पर विवाद खड़ा होता जा रहा है और इसको लेकर अब टीएमसी भी पूरी तरह से हमलावर नजर आ रही है। गिरिराज सिंह ने कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की भागीदारी की आलोचना की थी।

दरअसल, इस दौरान ममता बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के साथ थिरकती दिख रही हैं। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए गिरिराज सिंह ने कहा था कि फिल्म फेस्टिवल में ममता बनर्जी का ठुमका लगाना उचित नहीं है। अब उनके इस बयान पर ही लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा सहित तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने कड़ा विरोध किया है।

टीएमसी नेताओं के द्वारा उनकी आलोचना पर गिरिराज सिंह का कहना है कि उन्होंने जश्न शब्द का इस्तेमाल किया था, न कि ठुमका का। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जब पश्चिम बंगाल भ्रष्टाचार से ग्रस्त है, तो फिल्म महोत्सव मनाने के लिए ममता बनर्जी की आलोचना करना गलत नहीं है। गिरिराज सिंह ने कहा कि टीएमसी नेता मेरी बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं।

टीएमसी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के 'दीदी ओ दीदी' नारे के बाद, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भाजपा के उन नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने ममता बनर्जी के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की हैं।

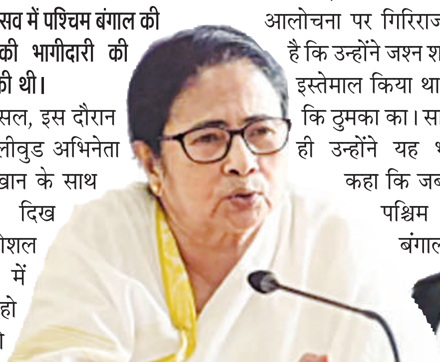

ममता बनर्जी साक्षात मां काली हैं : महुआ मोइत्रा

टीएमसी की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि भारत की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री के खिलाफ गिरिराज सिंह के शब्द चौंकाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मिस्टर सिंह, हम बंगाल में मनाओ जश्न मना रहे हैं, इसका कारण यह है कि हमें आप जैसे स्त्री-द्वेष और पितृसत्ता को बर्दाश्त नहीं करना है। आप और भाजपा हर दिन ऐसा करती है। आप ममता बनर्जी को बताएंगे क्या उचित है और क्या नहीं? मैं आपको बता दूं कि बंगाल के लाखों-करोड़ों लोगों को उनके मनरेगा के बकाए से वंचित करना उचित नहीं है, जिसे आपने और आपके मंत्रालय ने रोक रखा है। महुआ मोइत्रा ने कहा कि ममता बनर्जी साक्षात मां काली हैं। वह भारत की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री हैं और बंगाल के लोगों ने उन्हें एक नहीं, दो बार नहीं बल्कि तीन बार चुना है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।